

झुंझुनु में लगाकर बैठी जो दरबार है,
वो झुंझन वाली मेरी पालनहार है,
उनके ही इशारों चलता ये संसार है,
पालनहार है खेवनहार है,
झुंझनु में लगाकर बैठी जो दरबार है,
वो झुंझन वाली मेरी पालनहार है ॥

तर्ज कब तक चुप बैठे ।

बन जाए बिगड़ी सबकी,
ये बिगड़े काम बनाती,
बच्चों को दादी अपने,
है पलकों पर बिठाती,
इनकी ममता के आगे सब बेकार है,
पालनहार है खेवनहार है,
झुंझनु में लगाकर बैठी जो दरबार है,
वो झुंझन वाली मेरी पालनहार है ॥

दुनिया में सतिया बहुत हैं,
सिरमौर है मेरी दादी,
है कलयुग की अवतारी,
जिसे पूजे दुनिया सारी,
भक्तों के भरती ये तो भण्डार है,
पालनहार है खेवनहार है,
झुंझनु में लगाकर बैठी जो दरबार है,

वो झुँझन वाली मेरी पालनहार है ॥

दुनिया टुकराए जिसको,
उसे दादी गले लगाती,
जग में पहचान बने,
इस लायक मैया बनाती,
अशोक के सर पे भी माँ तेरा हाथ है,
पालनहार है खेवनहार है,
झुँझनु में लगाकर बैठी जो दरबार है,
वो झुँझन वाली मेरी पालनहार है ॥

झुँझनु में लगाकर बैठी जो दरबार है,
वो झुँझन वाली मेरी पालनहार है,
उनके ही इशारों चलता ये संसार है,
पालनहार है खेवनहार है,
झुँझनु में लगाकर बैठी जो दरबार है,
वो झुँझन वाली मेरी पालनहार है ॥

Singer Shweta Agarwal

Source:

<https://www.bharattemples.com/jhunjhunu-me-lagakar-baithi-jo-darbar-hai/>



Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App

<https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans>

Facebook: <https://www.facebook.com/bharattemples/>

Telegram: <https://t.me/bharattemples>

Youtube: <https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZjyhhKzSUD-Lt9Tw>